

अध्याय VIII: उत्पाद मूल्यांकन एवं लागत नियंत्रण

लेखापरीक्षा उद्देश्य

दक्षतापूर्ण मूल्यांकन प्रणाली के माध्यम से सेवाओं को मदों के निर्गम में क्या विभिन्न मदों के उत्पादन लागत की वसूली की गई है।

लेखापरीक्षा मापदण्ड के स्रोत

- मूल्यांकन नीति एवं प्रणाली;
- ओ.एफ.बी. द्वारा निर्धारित उपरिव्ययों हेतु लक्ष्य; एवं
- लागत अनुमान एवं वास्तविक उत्पादन लागत।

8.1 सामान्य

ओ.एफ.बी. की मूल्यांकन नीति का उद्देश्य सेवाओं को निर्गमित किए जाने वाली मदों के सम्पूर्ण लागत की वसूली करना है। विगत तीन वर्षों की वास्तविक लागतों एवं सामग्री, श्रम एवं उपरिव्यय लागत की वर्तमान प्रकृति के आधार पर वर्ष के प्रारम्भ में कीमतों को अनुमानित किया जाता है। फैक्ट्रियों से प्राप्त निर्देशों का विश्लेषण करने के पश्चात, ओ.एफ.बी. द्वारा प्रायः प्रत्येक मदों की कीमतें समय रहते वर्ष के आरंभ के पूर्व तय कर दी जाती है। कुछ मामलों में, फैक्ट्रियों द्वारा दुबारा दिए गए निवेश के आधार पर कुछ मदों की कीमतें वर्ष के मध्य में परिशोधित कर दी जाती है। मंत्रालय द्वारा ओ.एफ.बी. को समग्रता के आधार पर वार्षिक कीमतों में आठ प्रतिशत वृद्धि की अनुमति इस न्यूनतम सीमा के अन्दर रहने की सलाह के साथ दी जाती है।

हमने यह पाया कि इस एकरूप सूत्र का अनुपालन करने के स्थान पर, ओ.एफ.बी. ने विभिन्न मानकों एवं अपनाई गई तदर्थ दृष्टिकोण का आश्रय लेकर विभिन्न उत्पादों का निर्गम मूल्य अधोलिखित रूप से निर्धारित किया:

- फैक्ट्री के अनुमानित श्रम लागत पर एक पूर्व निर्धारित उपरिव्यय प्रतिशत को ध्यान में रखते हुए ओ.एफ.बी. के अनुमानित लागत की गणना पर आधारित है;
- विभिन्न श्रम दर एवं उपरिव्यय प्रतिशतता को ध्यान में रखते हुए फैक्ट्री के अनुमानित लागत के साथ-साथ ओ.एफ.बी. का औसत;
- 2008-09 में ओ.ई.एफ.सी. के संबंध में तथा 2010-11 में ओ.ई.एफ.एच. के संबंध में, वर्ष के अंतिम दिनों में प्राप्त फैक्ट्री के प्रस्तावित/अनुमानित लागत के समकक्ष है;

- विगत वर्ष की निर्गम मूल्य के साथ, आठ से 15 प्रतिशत को जोड़ने के पश्चात् तय किया गया; एवं
- विगत वर्ष के उसी स्तर पर, क्योंकि यह पहले से ही विगत वर्ष में वास्तविक लागत से 20 प्रतिशत से अधिक था।

इस प्रकार सूत्र तथा वर्तमान मूल्य नीति को असंसक्ति ने निर्गम कीमत निर्धारण के किसी उचित मापदण्ड की अनुपस्थिति में ओ.एफ.बी. द्वारा गलत कीमतें निर्धारित की गईं। इसके साथ-साथ लागत नियंत्रण में फैक्ट्रियों की विफलता थी, जिसके कारण सभी चार वर्षों में, ओ.ई.एफ.जी. में आवर्ति हानियाँ हुईं एवं कुछ मदों के लिए दरें भी बाजार मूल्य की तुलना में बहुत अधिक थी, जिसपर आगे के पैराग्राफों में चर्चा की गई।

8.1.1 फैक्ट्रियों द्वारा की गई भारी हानि

ओ.ई.एफ.जी. को 2008-12 के दौरान सभी माँगकर्ताओं को निर्गमित मदों के लिए ₹226.09 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा। लाभ/हानि का फैक्ट्री वार विवरण तालिका-34 में दिया गया है।

तालिका-34: फैक्ट्री वार लाभ(+)/हानी(-)

(₹ करोड़ में)

फैक्ट्री	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	योग
ओ.ई.एफ.सी.	2.17	(-) 26.43	(-) 26.00	(-)42.84	(-) 93.10
ओ.पी.एफ.	1.16	2.76	(-) 4.09	(-)13.11	(-) 13.28
ओ.सी.एफ.एस.	(-) 13.90	(-) 46.93	(-) 37.67	(-)22.22	(-) 120.72
ओ.सी.एफ.ए.	(-) 14.21	(-) 7.76	(-) 5.15	(-)7.89	(-) 35.01
ओ.ई.एफ.एच.	3.16	5.84	12.97	14.05	36.02
योग	(-) 21.62	(-) 72.52	(-) 59.94	(-)72.01	(-) 226.09

तालिका इस बात को इंगित करता है कि केवल ओ.ई.एफ.एच को सभी चार वर्षों में लाभ हुआ, जबकि सभी चार वर्षों में ओ.सी.एफ.एस. तथा ओ.सी.एफ.ए. को हानि का सामना करना पड़ा। ओ.पी.एफ. तथा ओ.ई.एफ.सी. को क्रमशः दो एवं तीन वर्षों में, हानि उठानी पड़ी। इस क्षमता से न्यून कार्य निष्पादन के निरंतर हानि के बावजूद भी, ओ.एफ.बी. ने कारणों का विश्लेषण नहीं किया।

हमारे द्वारा 2008-12 तीन वर्षों का 65 मदों का, ओ.एफ.बी. द्वारा तय की गई कीमतों का, फैक्ट्रियों की अनुमानित लागतों एवं उत्पादित लागतों के सन्दर्भ में विश्लेषण किया गया (**अनुलग्नक-VI**) और यह पाया गया कि 121 में से 97 दृष्टांतों में निर्गम लागतें ओ.ई.एफ.सी, ओ.पी.एफ., ओ.सी.एफ.एस. एवं ओ.सी.एफ.ए. में 10 प्रतिशत से अधिक

तथा 53 प्रतिशत से तक कम हो गई। जबकि 102 मदों के सन्दर्भ में वास्तविक उत्पादन लागतें इसी प्रतिशत में निर्गम कीमतों से अधिक हो गई।

उत्पादन लागतों एवं निर्गम कीमतों में गैर-अनुपातिक संबंध में अत्यधिक भिन्नता होने के बावजूद भी ओ.एफ.बी. ने वर्ष दर वर्ष होने वाली आवर्ती हानियों का कारण विश्लेषण करने के लिए न तो कोई प्रभावशाली प्रणाली संस्थापित की और न ही अपनी बैठकों में उत्पाद को लाभप्रद बनाने के लिए सुधरात्मक उपायों हेतु निश्चित अंतराल पर विचार किया।

भिन्नता को सिद्ध करते हुए ओ.एफ.बी. ने (अप्रैल 2012) स्पष्ट किया कि कीमतें वास्तविक उत्पादन लागतों के 18 माह पूर्व ही तय कर दी गई थीं। अतः भिन्नता अत्यल्प थी और मूल्य के निर्धारण के बाद, कार्यभार/उत्पाद प्रकार में बदलाव, लागत घटाने की दिशा में फैक्ट्रियों द्वारा किए गए प्रयास तथा मूल्यांकन के समय अपेक्षित दरों से बाजार दरों में उतार-चढ़ाव के कारण अधिक्य/कमी आवश्यक हो गई।

उत्तर में इस बात पर चर्चा नहीं की गई थी कि 10 से 53 प्रतिशत तक की प्रतिकूल भिन्नता क्यों आई। मूल्यांकन प्रणाली के माध्यम से संपूर्ण से उत्पादन लागत की वसूली एवं प्रभावी लागत नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए वास्तविक लागत तथा निर्गम मूल्य की आवधिक पुनरीक्षा में ओ.एफ.बी. विफलता के बारे में भी उत्तर में कोई चर्चा नहीं की गई है।

8.1.2 बाजार दरों की तुलना में ओ.ई.एफ.जी. की मदों का अत्याधिक/अतिशय

हमने यह पाया कि 2009-10 के दौरान ओ.सी.एफ.एस. की नौ मदों की वास्तविक लागत अनुमानित लागत से 6 से 41 प्रतिशत अधिक थी। ट्राउजर पी.डब्ल्यू. पी.सी. खाकी एवं बनियान ऊर्नी एफ.एस. की कीमत ओ.सी.एफ.ए. एवं ओ.सी.एफ.एस. में जहाँ क्रमशः (2008-09 में) लागत ₹772 एवं (2010-11 में) ₹632 थी वहीं सी.ओ.डी. कानपुर में मदें क्रमशः ₹195 एवं ₹122 की दर से 2009-10 में अधिप्राप्त की, जिससे यह प्रकट होता है कि दो ओ.ई.एफ.जी. की मदों की दरें बाजार दरों से 396 और 518 प्रतिशत अधिक थी। पुनश्च जैसा कि पैराग्राफ 5.5 में उल्लिखित है कि सशस्त्र सीमा बल के महानिदेशक ने यह पाया कि ओ.ई.एफ.जी. उत्पादित मदों की दरें बाजार दरों से 300 प्रतिशत तक अधिक थी। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि लागत नियंत्रण के आभाव के कारण उत्पाद अलाभकारी एवं गैर-प्रतिस्पर्धात्मक थे।

8.2 उत्पादन लागत में उच्च उपरिव्यय एवं श्रम प्रभार

8.2.1 उपरिव्यय प्रभार

उत्पादन लागत के अन्तर्गत प्रत्यक्ष सामग्री, प्रत्यक्ष श्रम तथा उपरिव्यय निहित होते हैं। आयुध फैक्ट्रियों में उपरिव्ययों के अन्तर्गत अप्रत्यक्ष श्रम लागत, अप्रत्यक्ष भण्डार पर्यवेक्षण, विधुत, परिवहन एवं अवमूल्यन आदि का समावेश होता है।

ओ.एफ.बी. ने (मई 2006 में) प्रत्यक्ष श्रम प्रभारों के रूप में वर्ष 2006-07 के लिए ओ.ई.एफ.सी, ओ.पी.एफ., ओ.सी.एफ.एस., ओ.सी.एफ.ए. एवं ओ.ई.एफ.एच. के लिए क्रमशः 120, 164, 115, 175 एवं 175 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया। ओ.एफ.बी ने आगे के वर्षों के लिए कोई भी इस तरह का लक्ष्य निर्धारित नहीं किया, जिसका कोई कारण भी नहीं बताया गया। यहाँ तक कि वर्ष 2008-09 में उपरिव्ययों का प्रत्यक्ष श्रम प्रभारों के सन्दर्भ में वास्तविक प्रतिशत ओ.ई.एफ.सी, ओ.पी.एफ. ओ.सी.एफ.एस. एवं ओ.सी.एफ.ए. में क्रमशः 154, 196, 158 एवं 178 था जो कि वर्ष 2006-07 के लक्ष्य से अधिक था, जबकि ओ.ई.एफ.एच. का प्रतिशत 150 था जो 175 के लक्ष्य से कम था। वर्ष 2009-10 में ओ.ई.एफ.सी. को छोड़कर सभी फैक्ट्रियों की स्थिति में सुधार हुआ जहां उपरिव्यय का प्रतिशत 164 के लक्ष्य से ज्यादा ही था। वर्ष 2010-11 में उपरिव्यय का प्रतिशत सभी फैक्ट्रियों में निर्धारित लक्ष्य से कम था। जबकि 2011-12 में ओ.ई.एफ.सी एवं ओ.सी.एफ.एस में उपरिव्यय का प्रतिशत निर्धारित लक्ष्य से अधिक था।

पुनश्च ओ.ई.एफ.जी. में उत्पादन लागत पर उपरिव्यय का प्रतिशत 34 से 33 था जो सभी आयुध फैक्ट्रियों के 31 से 26 प्रतिशत की अपेक्षा उच्चतर था जैसा तालिका-35 में वर्णित है।

तालिका-35: उत्पादन लागत पर उपरिव्यय का प्रतिशत

वर्ष	ओ.ई.एफ. .सी.	ओ.पी. एफ.	ओ.सी.एफ. .एस	ओ.सी.एफ. .ए	ओ.ई.एफ. .एच	ओ.ई. ग्रुप	आयुध फैक्ट्री समूह
2008-09	26	37	40	41	37	34	30
2009-10	30	34	38	39	33	34	31
2010-11	28	39	33	39	32	33	27
2011-12	30	35	35	34	32	33	26

वर्ष 2008-12 के दौरान ओ.सी.एफ.ए. का उपरिव्यय सभी पाँच फैक्ट्रियों में सबसे ज्यादा था जो कि 34 से 41 प्रतिशत के मध्य था। 2008-09 में ओ.सी.एफ.ए. में उपरिव्यय के अधिक होने (41 प्रतिशत) का मुख्य कारण प्रत्यक्ष श्रम की तुलना में अधिक अप्रत्यक्ष श्रम (90 प्रतिशत) एवं पर्यवेक्षण प्रभार (72 प्रतिशत) था।

ओ.एफ.बी. ने अप्रैल 2012 में स्पष्ट किया कि गहन श्रम इकाईयाँ होने के कारण ओ.ई.एफ.जी. में उपरिव्यय अधिक था तथा श्रम लागत छटे केन्द्रीय वेतन आयोग की संस्तुतियों के कार्यान्वयन के कारण बढ़ गई। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ओ.सी.एफ.ए. द्वारा अपेक्षाकृत निम्न प्रौद्योगिक के एवं व्यवस्थित कार्य सम्पादन में भी, इतने उच्च स्तरीय पर्यवेक्षण की आवश्यकता क्यों पड़ी।

8.2.2 श्रम प्रभार

ओ.ई.एफ.जी. के साथ-साथ आयुध फैक्ट्री संगठन का समग्र रूप से उत्पादन एवं श्रम लागत का विवरण तालिका-36 में दर्शायी गई है।

तालिका-36: श्रम लागत एवं उत्पादन लागत विवरण

(रु. करोड़ में)

वर्ष	उत्पादन लागत (सी.ओ.पी.)		ओ.ई. एफ. समूह के अंश की प्रतिशतता	श्रम लागत		ओ.ई. एफ. जी. के अंश की प्रतिशतता	उत्पादन लागत पर श्रम का प्रतिशत	
	ओ.एफ. संगठन	ओ.ई. एफ. जी. युप		ओ.एफ. संगठन	ओ.ई. एफ. जी.		ओ.एफ. संगठन	ओ.ई. एफ. जी.
2008-09	10610.40	659.55	6	768.10	136.35	18	7	21
2009-10	11817.89	669.00	6	1102.19	173.48	16	9	26
2010-11	14012.12	855.08	6	1318.41	237.25	18	9	28
2011-12	15933.44	961.17	6	1490.10	260.52	17	9	27

तालिका विश्लेषण से ज्ञात होता है कि ओ.ई.एफ.जी (समूह) की फैक्ट्रियों में सबसे छोटा समूह होने के कारण का उत्पादन लागत का भाग प्रति वर्ष मात्र छः प्रतिशत है। इसके विरुद्ध, 2008-09 से 2011-12 तक आयुध फैक्ट्रियों में इस समूह का प्रत्यक्ष श्रम लागत 16 से 18 प्रतिशत थी। आगे, जहाँ सभी आयुध फैक्ट्रियों में 2008-09 से 2011-12 के दौरान उत्पादन लागत से श्रम लागत की प्रतिशतता सात से नौ प्रतिशत थी वही ओ.ई.एफ.जी (समूह) में 2008-12 के दौरान सी.एन.सी.¹⁸ मशीन द्वारा आधुनिकीकरण के बावजूद भी 21 से 28 प्रतिशत थी।

8.3 सर्वनिष्ठ मर्दों की उत्पादन लागत में व्यापक भिन्नता

हमारे द्वारा दो फैक्ट्रियों में निर्मित होने वाली सर्वनिष्ठ मर्दों उत्पादन लागत की तुलना की गई और यह पाया गया कि सामग्री, श्रम, एवं उपरिव्यय सहित इकाई लागतों में व्यापक भिन्नता थी, जैसा कि तालिका-37 में इंगित है।

¹⁸ सामग्री एवं श्रम लागत के ह्रास के बचत को प्राप्त करने के लिए कम्प्युटरीकृत संख्यात्मक नियंत्रित मशीनों के अधिष्ठापन को अनुमानित किया गया है।

तालिका-37: सर्वनिष्ठ मदों के उत्पादन लागत में भिन्नता

मद	फैक्ट्री	सामग्री लागत (₹)	भिन्नता की प्रतिशतता	श्रम लागत (₹)	भिन्नता की प्रतिशतता	उपरिव्यय लागत (₹)	भिन्नता की प्रतिशतता
2008-09							
पैराशूट एस.डी. 8.5 एम	ओ.ई.एफ.एच.	2690.13	3	1442.26	16	2163.39	37
	ओ.सी.एफ.ए.	2783.82		1678.27		2953.76	
टेन्ट-4 एम	ओ.सी.एफ.सी.	18935.88	1	1758.97	131	2708.81	194
	ओ.पी.एफ.	19172.16		4064.92		7967.24	
2009-10							
टेन्ट 2 एम	ओ.ई.एफ.सी.	18495.70	4	2628.10	104	4237.16	17
	ओ.पी.एफ.	19225.52		5373.35		4940.79	
टेन्ट 4 एम	ओ.ई.एफ.एच	409.16	5581	5121.55	29	589.19	998
	ओ.सी.एफ.सी.	23242.63		3970.46		6471.86	
पैराशूट एस.डी. 8.5 एम	ओ.सी.एफ.ए.	2392.74	113	2508.00	66	2897.74	154
	ओ.ई.एफ.एच.	5100.11		4156.81		7351.33	
ट्राउजर कम्बेट	ओ.ई.एफ.एच.	221.42	52	351.54	52	318.84	93
	ओ.सी.एफ.ए.	336.00		533.50		616.20	
युद्धक जैकेट	ओ.ई.एफ.एच.	158.41	81	291.38	48	228.12	119
	ओ.सी.एफ.ए.	286.51		432.05		499.02	
2010-11							
टेन्ट 4 एम	ओ.ई.एफ.सी.	26152.40	51	5284.62	1509	6771.95	1121
	ओ.ई.एफ.एच.	39477.46		328.54		554.85	
ट्राउजर पी.व्ही. डी.डी. ओ.जी.	ओ.ई.एफ.एच.	195.72	19	55.31	456	93.47	269
	ओ.सी.एफ.एस.	164.65		307.80		344.69	
ट्राउजर कम्बेट	ओ.सी.एफ.ए.	324.70	34	522.02	22	580.80	26
	ओ.ई.एफ.एच.	433.99		428.95		729.21	
पैराशूट एस.डी. 8.5 एम	ओ.ई.एफ.एच.	3227.27	6	1591.75	41	2703.86	10
	ओ.सी.एफ.ए.	3412.21		2241.91		2970.68	
टेन्ट 4 एम का फ्लाई आउटर	ओ.सी.एफ.ए.	6207.38	13	90.35	3039	159.84	2174
	ओ.सी.एफ.सी.	5513.25		2836.21		3634.45	
2011-12							
जैकेट कंबैट	ओ.ई.एफ.एच.	47.63	824	238.15	101	414.12	20
	ओ.सी.एफ.ए.	440.02		479.79		498.98	
टेन्ट 4 एम का फ्लाई आउटर	ओ.ई.एफ.सी.	7019.90	7	3011.47	2490	3880.60	1797
	ओ.ई.एफ.एच.	7489.24		116.29		204.58	
मच्छरदानी	ओ.सी.एफ.एस. I.	162.66	97	163.80	516	238.29	716
	ओ.ई.एफ.सी.	321.13		26.61		29.22	
बैग किट यूनिवर्सल	ओ.ई.एफ.एच.	236.01	169	10.40	2145	17.68	1670
	ओ.ई.एफ.सी.	635.97		233.49		312.93	

स्रोत: आयुध एवं आयुध उपस्कर निर्माणियों का वार्षिक लेखा

तालिका से स्पष्ट है कि सर्वनिष्ठ मदों की श्रम एवं उपरिव्यय लागत में क्रमशः 3039 एवं 2174 प्रतिशत तक की अस्वाभाविक भिन्नता थी। इसी प्रकार 16 मामलों में से 11 में, सामग्री लागत में 13 से 5581 प्रतिशत तक की भिन्नता थी। पुनश्च, यहाँ तक कि एक ही फैक्ट्री ओ ई एफ एच (आयुध उपस्कर फैक्ट्री हजरतपुर), में, टेंट 04 एम की सामग्री लागत वर्ष 2009-10 के ₹409 के मुकाबले वर्ष 2010-11 में असाधारण रूप से बढ़कर ₹39477 हो गई। फैक्ट्री प्रबंधन/ ओ ई एफ एच क्यू (आयुध उपस्कर फैक्ट्री मुख्यालय) इस व्यापक भिन्नता का कारण विश्लेषित नहीं कर सका।

ओ ई एफ एच (आयुध उपस्कर फैक्ट्री हजरतपुर) में सामग्री लागत की वृद्धि, भिन्नता (9552 प्रतिशत¹⁹) पर उठाई गई आपत्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ओ ई एफ एच (आयुध उपस्कर फैक्ट्री हजरतपुर) के लेखा कार्यालय ने कहा (जुलाई-2012) कि निर्माणी प्रबन्धन द्वारा अग्रेषित अभिलेखों के आधार पर सामग्री मूल्य दर्ज किया गया। यद्यपि उन्होंने यह भी कहा कि, फैक्ट्री प्रबन्धन ने भविष्य में इन अनियमितताओं से बचने हेतु आश्वस्त किया। उत्तर से स्वयं सिद्ध है कि, लेखा कार्यालय सामग्री की लागत दर्ज करने के पूर्व सत्यापन नहीं करता था ।

एक फैक्ट्री की उच्चतर लागत की दूसरी फैक्ट्री की लागत से तुलना करने पर ज्ञात हुआ कि 16 दृष्टांतों में ₹105.47 करोड़ का वित्तीय बोझ पड़ा। (अनुलग्नक -VII)

मंत्रालय के उत्तर पर हमारी अभ्युक्तियाँ तालिका-38 में अभिलिखित हैं।

तालिका-38: मंत्रालय का उत्तर एवं लेखापरीक्षा अभ्युक्तियाँ

मंत्रालय का उत्तर	लेखापरीक्षा अभ्युक्तियाँ
ओ.ई.एफ.सी.: लेखापरीक्षा द्वारा प्रदत्त आँकड़े असत्य प्रतीत होते हैं। उपरिव्यय एवं श्रम लागत एक फैक्ट्री से दूसरी फैक्ट्री में भिन्न होती है।	हमारे द्वारा लागतों के आँकड़े आयुध फैक्ट्री संगठन के वार्षिक लेखों से ग्रहण किए गए हैं। इसके बावजूद संख्याओं के बारे में स्पष्टीकरण मांगने पर मंत्रालय द्वारा कोई शुद्ध आँकड़ा नहीं उपलब्ध कराया गया।
ओ.ई.एफ.एच.: वर्ष 2009-10 के वार्षिक लेखे तैयार करते समय लेखा कार्यालय द्वारा श्रम तथा लागत संबंधी अन्तरण वाउचरों को ध्यान में नहीं रखा गया। जिससे उस वर्ष, वायु सेना की मदों की लागत में व्यापक भिन्नता उत्पन्न हुई। शेष मदों में भिन्नता, संकलन एवं लिंकिंग की त्रुटियों के कारण हुई ।	उत्तर से स्वतः फैक्ट्री प्रबंधन एवं फैक्ट्रियों के लेखा कार्यालय के मध्य लिंकिंग त्रुटियों के परिशोधन तथा बिना उचित समाधान के विभिन्न घटकों के लेखांकन में कमियों का पता चलता है । विश्वसनीय लागत आकड़ों पर आधारित लेखाओं के संकलन हेतु की गई सुधारात्मक कार्रवाई के बारे में, कोई चर्चा नहीं की गई ।

¹⁹ 2009-10 में टेंट 4एम का सामग्री मूल्य = ₹409
 2010-11 में टेंट 4एम का सामग्री मूल्य = ₹39477
 वृद्धि = ₹39068
 प्रतिशत में वृद्धि = ₹39068 x 100/409 = 9552

मंत्रालय का उत्तर	लेखापरीक्षा अभ्युक्तियाँ
<p>ओ.सी.एफ.ए.: सामान्यतः श्रम एवं उपरिव्यय लागत में भिन्नता का कारण मकान भाड़ा एवं परिवहन भत्ता है क्योंकि आयुध वस्त्र फैक्ट्री आवडी (ओ.सी.एफ.ए) ए-1 शहर के अन्तर्गत स्थित है। आयुध वस्त्र फैक्ट्री हजरतपुर (ओ.ई.एफ.एच) के जैकेट एवं ट्राउजर की सामग्री लागत आयुध वस्त्र फैक्ट्री आवडी से कम नहीं हो सकती क्योंकि ओ.सी.एफ.ए. मूल सामग्री के लिए नोडल फैक्ट्री है। इसके समाधान की आवश्यकता है। फ्लाई आउटर 4 एम की श्रम एवं उपरिव्यय लागत इसलिए कम है, क्योंकि अधिक कार्यभार होने के कारण फैक्ट्री ने इसका वाह्यस्रोतीकरण किया।</p>	<p>किसी फैक्ट्री में व्यापार से सहयोग अथवा उच्चतर मकान भाड़ा/ परिवहन भत्ते की वजह से, एक फैक्ट्री से दूसरी फैक्ट्री की श्रम एवं उपरिव्यय लागत की 3039 एवं 2174 प्रतिशत तक की भिन्नता को, न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। उत्तर से इतनी वृहत भिन्नता का कारण तथा इसके लिए की गई सुधारात्मक कार्यवाही का संकेत नहीं प्राप्त होता है।</p>
<p>ओ.सी.एफ.एस.: आयुध उपरकर फैक्ट्री हजरतपुर (ओ.ई.एफ.एच.) की तुलना में ट्राउजर की लागत अपेक्षा कृत इसलिए अधिक थी, क्योंकि शायद ये मर्दे ओ.ई.एफ.एच द्वारा व्यापारिक प्रतिष्ठानों से निर्मित कराई गई थीं।</p>	

8.4 लेखापरीक्षा निष्कर्ष

लेखा अधिकारी द्वारा बिना सठीक रूप से जांच किए केवल फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा अग्रेषित दस्तावेजों के आधार पर व्यय को दर्ज करने वाले प्रणाली के कारण अविश्वसनीय मूल्य डाटा तथा व्यय का अनियमित लेखाकरण हुआ। वर्ष 2008-12 के दौरान जैसा की तालिका- 34 में दिया गया है, त्रुटिपूर्ण मूल्यांकन प्रणाली के साथ अप्रभावी लागत नियंत्रण की वजह से प्रतिवर्ष माँगकर्ताओं को उत्पादों के निर्गम में कुल ₹226.09 करोड़ की आवर्ती हानि हुई। इस स्थिति से, दो फैक्ट्रियों द्वारा उत्पादित सर्वनिष्ठ मर्दों की सामग्री एवं श्रम लागत में असमान्य भिन्नता आ गई, परिणाम स्वरूप, 16 मामलों में ₹105.47 करोड़ का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ा।

संस्तुति 16

मंत्रालय को यह सुनिश्चित करना चाहिये कि उत्पादनों पर कड़े रूप से मूल्य नियंत्रण को लागू करने के लिए विश्वसनीय मूल्य-डाटा जारी करना चाहिये।